Unit 5
अध्याय

भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।
Contribution of Moral Thinkers and Philosophers from India and World

UPSC

1. तीन महान नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के अवतरण/उद्धरण नीचे दिए गए हैं। आपके लिए प्रत्येक अवतरण का वर्तमान संदर्भ में क्या महत्व है, स्पष्ट कीजिए:
Given below are three quotations of great moral thinkers/philosophers. For each of these quotations, bring out what it means to you in the present context:
   (a) ''पृथ्वी पर हर एक की आवश्यकता पूर्ति के लिए काफी है पर किसी के लालच के लिए कुछ नहीं।'' -**महात्मा गाँधी**
   "There is enough on this earth for every one's need but for no one's greed." Mahatma Gandhi. ***(150 Words/10 Marks 2013)***
   (b) ''लगभग सभी लोग विपत्ति का सामना कर सकते हैं पर यदि किसी के चरित्र का परीक्षण करना है, तो उसे शक्ति/अधिकार दे दो।''-**अब्राहम लिंकन**
   "Nearly all men can withstand adversity, but if you want to test a man's character, give him power."—**Abraham Lincoln** ***(150 Words/10 Marks 2013)***
   (c) ''शत्रुओं पर विजय पाने वाले की अपेक्षा मैं अपनी इच्छाओं का दमन करने वाले को अधिक साहसी मानता हूँ।'' - **अरस्तू** ("I count him braver who overcomes his desires than him who overcomes his enemies."—**Aristotle**) ***(150 Words/10 Marks 2013)***

2. ''मनुष्य के साथ सदैव उनको, अपने-आप में 'लक्ष्य' मानकर व्यवहार करना चाहिए, कभी भी उनको केवल 'साधन' नहीं मानना चाहिए।'' आधुनिक तकनीकी-आर्थिक समाज में इस कथन के निहितार्थों का उल्लेख करते हुए इसका अर्थ और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
"Human beings should always be treated as 'ends' in themselves and never as merely `means'." Explain the meaning and significance of this statement, giving its implications in the modern techno-economic society. ***(150 Words/10 Marks 2014)***

3. जीवन में नैतिक आचरण के संदर्भ में आपको किस विख्यात व्यक्तित्व ने सर्वाधिक प्रेरणा दी है? उसकी शिक्षाओं का सार प्रस्तुत कीजिए। विशिष्ट उदाहरण देते हुए वर्णन कीजिए कि आप अपने नैतिक विकास के लिए उन शिक्षाओं को किस प्रकार लागू कर पाए हैं।
Which eminent personality has inspired you the most in the context of ethical conduct in life? Give the gist of his/her teachings. Giving specific examples, describe how you have been able to apply these teachings for your own ethical development. ***(150 Words/10 Marks 2014)***

4. नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के दो अवतरण/उद्धरण दिए गए हैं। प्रकाश डालिए कि इनमें से प्रत्येक के, वर्तमान संदर्भ में, आपके लिए क्या मायने हैं:
Given are two quotations of moral thinker/philosophers. For each of these, bring out what it means to you in the present context:
   (a) "कमजोर कभी माफ नहीं कर सकते; क्षमाशीलता तो ताकतवर का ही सहज गुण है।"
   The weak can never forgive; forgiveness is the attribute of the strong."
   (150 Words/10 Marks 2015)

(b) "हम बच्चे को आसानी से माफ कर सकते हैं, जो अंधेरे से डरता है; जीवन की वास्तविक विडंबना तो तब है जब मनुष्य प्रकाश से डरने लगते हैं।" (We can easily forgive a child who is afraid of the dark; the real tragedy of life is when men are afraid of the light."

(150 Words/10 Marks 2015)

5. महात्मा गाँधी की सात पापों की संकल्पना की विवेचना कीजिए।
Discuss Mahatma Gandhi's concept of seven sins. *(150 Words/10 Marks 2016)*

6. भारत के संदर्भ में सामाजिक न्याय की जॉन रॉल्स की संकल्पना का विश्लेषण कीजिए।
Analyse John Rawls's concept of social justice in the Indian Context.

(150 Words/10 Marks 2016)

7. कार्यवाहियों की नैतिकता के संबंध में एक दृष्टिकोण तो यह है, कि साधन सर्वोपरि महत्त्व के होते हैं और दूसरा दृष्टिकोण यह है कि परिणाम साधनों को उचित सिद्ध करते हैं। आपके विचार में इनमें से कौन-सा दृष्टिकोण अपेक्षाकृत अधिक उपयुक्त है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत/पेश कीजिए।
With regard to the morality of actions, one view is that means is of paramount importance and the other view is that the ends justify the means. Which view do you think is more appropriate? Justify your answer. *(150 Words/10 Marks 2018)*

8. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you in the present context?

(a) "किसी भी बात को स्वीकार करने या अस्वीकार करने का निर्धारण करने में सही नियम यह नहीं है कि उसमें कोई बुराई है या नहीं; बल्कि यह है कि उसमें अच्छाई से अधिक बुराई है। ऐसे बहुत कम विषय होते हैं जो पूरी तरह बुरे या अच्छे होते हैं। लगभग सभी विषय, विशेषकर सरकारी नीति से संबंधित, अच्छाई और बुराई दोनों के अविच्छेदनीय योग होते हैं; ताकि इन दोनों के बीच प्रधानता के बारे में हमारे सर्वोत्तम निर्णय की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है।" — **अब्राहम लिंकन**
"The true rule, in determining to embrace, or reject anything, is not whether it has any evil in it; but whether it has more evil than good. There are few things wholly evil or wholly good. Almost everything, especially of governmental policy, is an inseparable compound of the two; so that our best judgement of the preponderance between them is continually demanded." — **Abraham Lincon** *(150 Words/10 Marks 2018)*

(b) "क्रोध और असहिष्णुता सही समझ के शत्रु है।" — **महात्मा गाँधी**
"Anger and intolerance are the enemies of correct understanding." — **Mahatma Gandhi**
(150 words/10 Marks 2018)

(c) "असत्य भी सत्य का स्थान ले लेता है यदि उसका परिणाम निष्कलंक सार्वजनिक कल्याण हो।" — **तिरुक्कुरल**
"Falsehood takes the place of truth when it results in unblemished common good." — **Tirukkural** *(150 Words/10 Marks 2018)*

9. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण के लिए आपके लिए क्या मायने हैं?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक अपरीक्षित जीवन जीवने योग्य नहीं है।" – सुकरात
"An unexamined life is not worth living." – Socrates *(150 Words/10 Marks 2019)*

(b) "व्यक्ति और कुछ नहीं केवल अवने विचारों का उत्पाद होता है। वह जो सोचता है वहीं बन जाता है।" – एम.के. गाँधी
"A man is but the product of his thoughts. What he thinks, he becomes." – M.K.Gandhi
(150 Words/10 Marks 2019)

(c) "जहाँ हृदय में शुचिता है, वहाँ चरित्र में सुन्दरता है। जब चरित्र में सौन्दर्य है, तब घर में समरसता है। जब घर में समरसता है तब राष्ट्र में सुव्यवस्था है। जब राष्ट्र में सुवस्था है, तब विश्व में शांति है।" – ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
"Where there is righteousness in the heart, there is beauty in the character. When there is beauty in the character, there is harmony in the home. When there is harmony in the home, there is order in the nation. When there is order in the nation, there is peace in the world." – A.P.J. Abdul Kalam *(150 Words/10 Marks 2019)*

10. बुद्ध की कौन सी शिक्षाएं आज सर्वाधिक प्रासंगिक हैं और क्यों? विवेचना कीजिए।
What teachings of Buddha are most relevant today and why? Discuss.
(150 Words/10 Marks 2020)

11. "किसी की भर्त्सना नहीं कीजिए : अगर आप मदद का हाथ आगे बढ़ा सकते हैं, तो ऐसा कीजिए। यदि नहीं तो आप हाथ जोड़िए, अपने बंधुओं को आशीर्वचन दीजिए और उन्हें अपने मार्ग पर जाने दीजिए।" - स्वामी विवेकानंद
"Condemn none : if you can stretch out a helping hand, do so. If not, fold your hands, bless your brothers, and let them go their own way." – Swami Vivekanand
(150 Words/10 Marks 2020)

12. "स्वयं को खोजने का सर्वोत्तम मार्ग यह है कि अपने आप को अन्य की सेवा में खो दें।" - महात्मा गाँधी
"The best way to find yourself is to lose yourself in the service of others." – Mahatma Gandhi
(150 Words/10 Marks 2020)

13. "नैतिकता की एक व्यवस्था जो कि सापेक्ष भावनात्मक मूल्यों पर आधारित है केवल एक भ्रांति है, एक अत्यंत अशिष्ट अवधारण जिसमें कुछ भी युक्तिसंगत नहीं है और न ही सत्य।" - सुकरात
"A system of morality which is based on relative emotional values is a mere illusion, a thoroughly vulgar conception which has nothing sound in it and nothing true." – Socrates
(150 Words/10 Marks 2020)

14. "प्रत्येक कार्य की सफलता से पहले उसे सैकड़ों कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है। जो दृढ़निश्चयी हैं वे ही देर-सवेर प्रकाश को देख पाएंगे।" - स्वामी विवेकानंद
"Every work has got to pass through hundreds of difficulties before succeeding. Those that persevere will see the light, sooner or later." — Swami Vivekananda
(150 Words/10 Marks 2021)

15. "हम बाहरी दुनिया में तब तक शांति प्राप्त नहीं कर सकते जब तक कि हम अपने भीतर शांति प्राप्त नहीं कर लेते।" - दलाई लामा
"We can never obtain peace in the outer world until and unless we obtain peace within ourselves." — Dalai Lama *(150 Words/10 Marks 2021)*

16. "परस्पर निर्भरता के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं है। हमें एक-दूसरे की जरूरत है और जितनी हम जल्दी इसे सीख लें यह हम सबके लिए उतना ही अच्छा है।" — एरिक एरिक्सन
"Life doesn't make any sense without interdependence. We need each other, and the sooner we learn that, it is better for us all." — Erik Erikson *(150 Words/10 Marks 2021)*

संभावित प्रश्न (PROBABLE QUESTION)

1. 'सद्गुण ज्ञान है' सुकरात के इस सिद्धांत को समझाइए। Explain socrates's concept of 'virtues is knowledge'. *(150 Words/10 Marks)*

2. एक असंतुष्ट सुकरात एक संतुष्ट मूर्ख की अपेक्षा और एक असंतुष्ट मनुष्य संतुष्ट सुअर के बच्चे की अपेक्षा अधिक अच्छा है। स्पष्ट कीजिए। It is better to be a human being dissatisfied than a pig satisfied; better to be Socrates dissatisfied than a fool satisfied. Elucidate.
(150 Words/10 Marks)

3. कांट के 'कर्त्तव्य के लिए कर्त्तव्य' की अवधारणा को स्पष्ट करें। क्या यह प्रशासन में उपयोगी है। Explain Kant's notion of 'Duty for Duty Sake'. Is it useful in administration.

(150 Words/10 Marks)

4. नेल्सन मंडेला का जीवन और उनकी कार्य प्रणाली सुधारकों के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनके जीवन में घटित वास्तविक घटनाओं का उदाहरण देते हुए इसे स्पष्ट करें। (Nelson Mandela's life and his work system is an inspiration for reformers. Explain this by giving examples of real incidents occurred in his life) ***(150 Words/10 Marks)***

5. "जब हम अपने जीवन के प्रारंभ एवं अंतिम अवधि में दूसरों की दयालुता/करूणा पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं, तो जीवन के मध्यावधि में हम दूसरों के प्रति दयालुता/करूणा की उपेक्षा कैसे कर सकते हैं?" - दलाई लामा। इस उद्धरण से आप क्या समझते हैं। भारतीय समाज में इसकी प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।
"Since at the beginning and end of our lives we are so dependent on other's kindness, how can it be that in the middle we neglect the kindness towards others?" - Dalai Lama. Bring out what you understand by this quote and discuss its relevance in the Indian society.

(150 Words/10 Marks)

6. गाँधी के सामाजिक एवं आर्थिक विचारों की वर्तमानकालीन प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिये। (Explain the current relevance of Gandhi's social and economic views.) ***(150 Words/10 Marks)***

7. 'साधन बीज है और साध्य वृक्ष है' - गाँधी के इस कथन के आशय को स्पष्ट कीजिये। (Means is a seed and ends is a tree. Make clear the implications of this statement of Gandhi.)

(150 Words/10 Marks)

8. भारत के दो प्रमुख समाज सुधारकों के जीवन और उनके उपदेशों की वर्तमानकालीन समस्याओं के निपटारे के संदर्भ में प्रासंगिकता की विवेचना करें। (Discuss the relevance of the life of two major social reformers of India and their teachings in the context of the settlement of the current problems.) ***(150 Words/10 Marks)***

9. किस महान भारतीय व्यक्तित्व ने एक रोल मॉडल के रूप में आपको अधिक प्रेरणा दी है। आप अपने जीवन में उनकी प्रेरणाओं से किस प्रकार लाभान्वित होते हैं?
Which great Indian personality has inspired you the most as a role model and how have you been able to benefit in your own life by such an inspiration ? ***(150 Words/10 Marks)***

10. अरस्तू के अनुसार, अनुनयन के लिए न केवल इथोस (वक्ता की विश्वसनीयता) एवं लोगोस (तार्किक दलील) अपितु पैथोस (श्रोतागणों से भावनात्मक संपर्क) भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।
According to Aristotle, for persuasion, not Ethos (credibility of the speaker) and Logos (Logical Argument) but Pathos (Emotional connection to the audience) is equally important. Comment. ***(150 Words/10 Marks)***

11. "श्रम एक पूँजी है और जीवधारी पूँजी अक्षय है, मैं पूँजी और श्रम में न्यायसंगत संबंध की स्थापना करना चाहता हूँ। मैं एक का अन्य के ऊपर प्रभुत्व नहीं चाहता हूँ।" महात्मा गाँधी के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।
'Labour is capital and the living capital is inexhaustible. I want to establish equitable relationship between capital and labour. I do not wish for the supremacy of the one over the other.' Discuss in the context of Mahatma Gandhi.

12. लोकनायकों व सुधारकों के उपदेश कभी भी पुराने नहीं होते हैं। आधुनिक संदर्भ में उनकी महत्ता को उजागर कीजिए।
Teaching of leaders and reformers never grow old. Bring out their significance in modern context.

13. प्लेटो के न्याय सिद्धांत में साहस और संयम अन्तर्निहित है। आधुनिक समाज व प्रशासन में क्या वे आज भी युक्ति संगत हैं?
Plato's theory of justice includes courage and temperance. Are they still needed in modern society and administration?

14. 'न्याय' की मीमांसा के रूप में, अमर्त्य सेन के 'नीति' के सिद्धांत की विचेचना कीजिए। (Discuss Amartya Sen's principle of 'Niti' as a critique of 'Nyaya'.) *(150 Words/10 Marks)*

15. रॉल्स के अनुसार सुव्यवस्थित समाज न्याय की जन अवधारणा द्वारा प्रभावी रूप से नियमित होता है। क्या आप इससे सहमत हैं? कारण स्पष्ट कीजिए। (A well-ordered society, according to Rawls, is effectively regulated by public conceptio of justice. Do you agree? Give reason)
(150 Words/10 Marks)

16. स्वामी विवेकानंद ने धर्म को केन्द्रीय मंच पर लाकर खड़ा कर दिया और इसे एक नया अर्थ प्रदान किया और साथ ही विभिन्न धर्मों के बीच सामंजस्य की आवश्यकता पर भी जोर दिया इस संदर्भ में, समकालीन समाज में उनकी शिक्षाओं की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।
Swami Vivekanand brought religion to the centre-stage and gave a new meaning to it while stressing the need for harmony among faiths. In this context, discuss the relevance of his teachings in contemporary society. *(150 Words/10 Marks)*

17. ''मुझे दूसरे के अधिक शुभ की तुलना में अपना क्षुद्र शुभ नहीं पसन्द करना चाहिए।'' - एच. सिजविक। इस कथन का आशय स्पष्ट करें।
"I ought not to prefer my own lesser good to the greater good of another." - H. Sidgwick. Clerify this statement. *(150 Words/10 Marks)*

18. गीता में वर्णित निम्नलिखित अवधारणों के आशय को स्पष्ट करें- (Explain the meaning of the following concepts mentioned in Geeta)
   1. गीता का स्वधर्म / Swadharma of Geeta
   2. निष्काम कर्म / disinterested Action
   3. लोक संग्रह / Lok Sangarha
   4. प्रवृत्ति मार्ग एवं निवृत्ति मार्ग / Pravritti Marg and Nivritti Marg

19. काण्ट के दर्शन में वर्णित निम्नलिखित अवधारणओं को स्पष्ट करें (Explain the following concepts described in the philosophy of Kant.)
   1. कर्त्तव्य, कर्त्तव्य के लिए / Duty, for duty
   2. निरपेक्ष आदेश / Absolute order
   3. नैतिकता की पूर्व मान्यताएँ / Presuppositions of Morality
   4. सार्वभौमिकता का नियम / Law of Universality

20. आर्थिक न्याय का स्रोत ट्रस्टीशिप (न्यासधारिता) से गुजरता है। सिद्ध करें। (The source of economic justice passes through the trusteeship. Prove it)

21. एक लोक सेवक को गांधीवादी दर्शन द्वारा कैसे निर्देशित किया जा सकता है? उदाहरण सहित समझाइए।
How can a public servant be guided by the Gandhian philosophy? Illustrate with examples.
(150 Words / 10 Marks)

22. सार्वजनिक जीवन में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के विचारों की भूमिका की चर्चा कीजिए।
Discuss the role of Dr. B. R. Ambedkar's thought in ensuring social justice in public life.
(150 Words / 10 Marks)

23. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण आपके लिए क्या मायने रखता है?
What does each of the following quotations mean to you?

(a) "हम वही हैं जो हम बार-बार उत्कृष्टता करते हैं, फिर, यह एक कार्य नहीं है, बल्कि एक आदत है" अरस्तू।
"We are what we repeatedly do excellence, then, is not an act, but a habit" Aristotle.
(150 Words / 10 Marks)

(b) "विज्ञान संगठित ज्ञान है। बुद्धि संगठित जीवन है" — कांट।
"Science is organized knowledge. Wisdom is organized life" — Kant.
(150 Words / 10 Marks)

(c) "यदि आप अभी भी उस व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं जो आपकी जिंदगी बदल देगा, तो आईने में एक नजर डालें।"
"If you are still looking for that one person who will change your life, take a look in the mirror."
(150 Words / 10 Marks)

—♦♦♦—

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR